संख्या-25/2015/958/35-3-2015-1(100)/2010

प्रेषक,

नवीन चन्द्र त्रिपाठी,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

आर्थिक बोध एवं संख्या निदेशक,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

नियोजन अनुभाग-3 **लखनऊ: दिनांक १२ अगस्त ,2015**

विषय:गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को वित्तीय वर्ष 2014-15 में भारत सरकार द्वारा आयोजनेत्तर (आर्वतक) अनुदान की चतुर्थ किश्त के रूप में स्वीकृत अवशेष धनराशि **रू0** 42,00,000/-(रू0 बयालिस लाख मात्र तथा वित्तीय वर्ष 2015-16 में संस्थान को केन्द्रांश के समतुल्य आयोजनेत्तर (आर्वतक) अनुदान की प्रथम किश्त (सैलरी ग्रान्ट) की धनराशि रू0 27,00,000/-(रू0 सत्ताईस लाख मात्र) अर्थात कुल रू0 69,00,000/-(रू0 उनहत्तर लाख मात्र) की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-491/ले0-91/04, दिनांक 09 जुलाई, 2015 तथा पत्रांक-558/ले0-91/04, दिनांक 15 जुलाई 2015, के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पत्र दिनांक 25;03;2015 एवं 09;04;2015 द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 में चतुर्थ किश्त के रूप में स्वीकृत/अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की अवशेष धनराशि रू0 42.00 लाख तथा वित्तीय वर्ष 2015-16 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पत्र संख्या-एफनं0 5.11/2015/ आर.आई.,दिनांक 19-06-2015 द्वारा स्वीकृत एवं पत्र संख्या-एफनं0 5. 11/2015 आर.आई.,दिनांक 01-07-2015 द्वारा अवमुक्त आयोजनेत्तर(आवर्तक) अनुदान (सैलरी ग्राण्ट) की प्रथम किश्त की धनराशि रू0 27.00 लाख के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि रू0 27.00 लाख अर्थात (रू0 42.00 लाख + रू0 27.00 लाख= रू0 69.00 लाख) कुल रू0 69.00 लाख (रूपये उनहत्तर लाख मात्र) की राज्यांश की वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनेत्तर पक्ष में उपलब्ध बजट व्यवस्था में से किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

2- अनुदान का भुगतान करने के लिए बिल आहरण हेतु गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ द्वारा बनाया जायेगा एवं उस पर अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।

3- अनुदान के उपयोग के सम्बन्ध में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय

4- कोषागार में उतनी ही धनराशि समय-समय पर संस्थान द्वारा आहरित की जायेगी, जिसके भुगतान की तात्कालिक आवश्यकता हो,कोषागार से आहरित की जाने वाली धनराशि की आवश्यकता का आंकलन/परीक्षण जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ द्वारा प्रश्नगत मद में सस्थान के सम्बन्धित बैंक आदि खातों में उपलब्ध धनराशि के आधार पर करते हुए यथा आवश्यक धनराशि के आहरण हेतु बिल प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा।

5- उपरोक्त अनुदान का कोई भी भाग ऊपर वर्णित मदों के अतिरिक्त अन्य कार्य के लिए प्रयोग में नहीं लाया जायेगा। अनुदान की आगामी किश्त की मांग के समय उपर्युक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रपत्र पर उपलब्ध कराया जायेगा।

6- इस अनुदान पर राजाज्ञा संख्या-ए-2364/दस-17/2(1)/67, दिनांक 20 जुलाई, 1971 के संलग्नक में निहित अनुदान के नियम लागू होंगें।

7- उत्तर प्रदेश शासन से स्वीकृत अनुदान के लेखे-जोखे पृथक से रखे जायेंगें तथा उनका निरीक्षण,महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद की इच्छा अनुसार किसी भी समय किया जा सकेगा तथा परीक्षण राज्य सरकार के नियोजन विभाग के अधिकारियों एवं निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा जब कभी वे चाहेंगें,किया जायेगा।

8- संस्थान को स्वीकृत उक्त अनुदान का उपभोग प्रमाण-पत्र संस्थान द्वारा आर्थिक बोध एवं संख्या निदेशक, लखनऊ के माध्यम से महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद एवं शासन को समयान्तर्गत भेजा जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

आगामी किश्त की मांग के समय वित्तीय वर्ष 2014-15 के व्यय के आडिटेड ब्यौरों को भी उपलब्ध कराया जायेगा।

9- उपर्युक्त मद पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-40 के लेखाशीर्षक "3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-05-गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को अनुदान-20-सहायता अनुदान-सामान्य(गैर वेतन)" के नामें डाला जायेगा।

10- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या 2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015 दिनांक 30 मार्च, 2015 के प्रस्तर-2 (10) में प्रशासकीय विभाग को प्राप्त अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(**नवीन चन्द्र त्रिपाठी**)
विशेष सचिव।

संख्या-25/2015/958(1)/35-3-2015,तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाहीहेतु पे्षित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार,(लेखा परीक्षा प्रथम व दवितीय), उत्तर प्रदेश इलाहाबाद।
3- वरिष्ठ आडिट आफीसर(आडिटर प्लानिंग)कार्यालय महालेखाकार, लेखा परीक्षा प्रथम, सत्यनिष्ठ भवन,15 थार्नहिल रोड, इलाहाबाद।
4- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
5- मुख्य कोषाधिकारी, लखनऊ।
6- उप निदेशक, (अर्थ एवं संख्या) लखनऊ मण्डल, लखनऊ।
7- अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ
8- सदस्य सचिव, भारतीय सामाजित विज्ञान अनुसंधान परिषद,पोस्ट बाक्स नं0-10580, अरूणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली।
9- निदेशक, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ।
10- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-5
11- नियोजन अनुभाग-1
12- गार्ड फाइल/स्वीकृत पंजी।

आज्ञा से,

(**नवीन चन्द्र त्रिपाठी**)
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।